आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

# हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 261 | उज्जैन, रविवार 10 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

## भाई-बहन का स्नेहिल बन्धन शाश्वत है और रहेगा-मुख्यमंत्री

### दीपावली की भाईदूज से लाड़ली बहनों को हर माह दिये जायेंगे 1500 रूपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, सम्मान हैं, अभिमान हैं। बहनों के बिना यह संसार सूना है। उन्होंने कहा कि जीवन तो नश्वर है, पर भाई-बहन का ये स्नेहिल रिश्ता शाश्वत है और आगे भी रहेगा। जब तक संसार है, यह अनमोल और अटूट रिश्ता भी अजर-अमर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने बहनों को उनका हर वाजिब हक दिलाया है। बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सबकी राखी स्वीकार की और कहा कि आप सबके आशीर्वाद से ही मुझे प्रदेश के विकास के लिए प्राण-प्रण से जुटे रहने की असीम ऊर्जा मिलती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को आगर मालवा जिले के बाबा बैजनाथ महादेव धाम में श्रावण पर्व के अवसर पर आयोजित भव्य रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बहनों और दिव्यांगजनों के प्रति गहरा स्नेह, सम्मान और इनके प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की। उन्होंने दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी बहनों से राखी बंधवाई, उन्हें मिठाई खिलाई, उपहार दिए, सावन के झूले में झूलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रदेशवासियों को श्रावण एवं रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में देवी अहिल्या नारी शक्ति कल्याण मिशन चलाया जा रहा है। इस मिशन के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार मिशन मोड पर तेजी से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे दिव्यांगजन परमात्मा के दिव्य अंश हैं। इन्हें परमेश्वर ने विशेष शक्तियों से नवाजा है। इन्हें सिर्फ प्रोत्साहन की जरुरत है और हमारी सरकार हर कदम पर इनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शैक्षणिक मदद, पेंशन राशि या शासकीय सेवा में आरक्षण देने की बात हो, हमारी सरकार ने इनके समग्र कल्याण के लिए सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए हैं।

## ईसाई समुदाय के खिलाफ..., ओडिशा में पादरी और नन पर हुए हमले के बाद क्यों भड़के केरल सीएम पिनाराई विजयन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के जलेश्वर में चर्च के पादरी और नन पर हुए हमले ने धार्मिक चर्चाओं का रूप ले लिया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस हमले को हिंदुत्व से जोड़ते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हल्ला बोला है।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए हमलावरों को संघ परिवार के गुंडे कहा है।

केरल सीएम ने क्या कहा- पिनाराई विजयन ने एक्स पर लिखा कि पादरी और नन पर हुआ हमला संघ परिवार के गुंडों ने किया है और यह ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ते संप्रदायवाद को दर्शाता है।

पिनाराई विजयन के अनुसार, ओडिशा के जलेश्वर में संघ परिवार के गुंडों द्वारा पादरी और नन पर हमले की खबर सामने आ रही है। उनपर धार्मिक परिवर्तन करवाने का झूठा आरोप लगाया गया है। यह ईसाई समुदाय के खिलाफ बढ़ते संप्रदायवाद का उदाहरण है। कुछ हफ्ते पहले ऐसे ही छत्तीसगढ़ में ननों को भी गिरफ्तार किया गया था।

केरल के सीएम ने कहा कि यह कानून का उल्लंघन है। कानून अपने हाथों में लेने के जुर्म में सभी को साथ मिलकर इस तरह की घटना का विरोध करना चाहिए।

## भारत की डिफेंस प्रोडक्शन में धमक, छुआ 1.5 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा

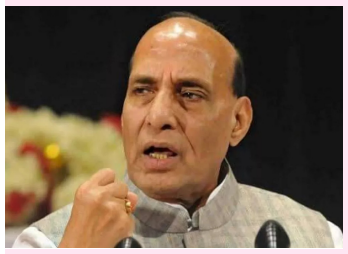

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व में मची उथल-पुथल और पड़ोसी देशों से तनाव के बीच भारत ने अपनी धमक फिर से दिखाई है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत का सालाना रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ के ऊपर पहुंच गया है।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, यह 2023-24 में दर्ज 1.27 लाख करोड़ रुपये से 18% और 2019-20 में दर्ज 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90त्न की वृद्धि हुई है।

राजनाथ सिंह ने क्या कहा- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस वृद्धि का श्रेय रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, अन्य सार्वजनिक क्षेत्र इकाइयों और निजी उद्योग के संयुक्त प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि यह निरंतर वृद्धि भारत के रक्षा औद्योगिक आधार की मजबूती को दर्शाती है।

## 300 KM दूर से सटीक हमला, पाक के 6 लड़ाकू विमान ढेर; IAF चीफ ने बताए पांच अनसुने फैक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया था। अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कई खुलासे किए हैं।

उन्होंने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि इस कार्रवाई में भारत ने कम से कम पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को और एक बड़े सैन्य विमान को मार गिराया था। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया था, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के 100 से ज्यादा आतंकियों क खात्मा हुआ।

पाक के 11 एयरबेस हुए थे तबाह- भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने सीमा पार गोलीबारी और ड्रोन अटैक करने की कोशिश की। इसके जवाब में भारत ने सैन्य कार्रवाई कर पाकिस्तान के 11 एयरबेस के रडार सिस्टम, संचार केंद्र और हवाई पट्टियों को नुकसान पहुंचाया। इनमें इस्लामाबाद के पास स्थित नूर खान एयरबेस भी शामिल था।

एयर चीफ मार्शल ने बताया कि इस ऑपरेशन में भारत ने रूसी S-400 एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल कर 5 पाकिस्तानी लड़ाकू विमान और एक बड़ा सैन्य विमान गिराया। यह बड़ा विमान संभवत- निगरानी विमान था, जिसे 300 किलोमीटर दूर से मार गिराया गया। यह भारत का अब तक का सबसे लंबी दूरी से किया गया सफल हमला था।

## 1 उम्मीदवार वाले चुनाव में NOTA का विकल्प क्यों नहीं? सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर क्या बोली केंद्र सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव के दौरान अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार खड़ा है, तो चुनाव आयोग उसे निर्विरोध विजेता घोषित कर देता है और फिर उस सीट पर चुनाव नहीं होते हैं। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 3 जजों की बेंच जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि निर्विरोध चुनावों में मतदाताओं को NOTA (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प क्यों नहीं दिया जाता? इस पर सरकार का कहना है कि NOTA को उम्मीदवार का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। दरअसल इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिका में जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1961 की धारा 53(2) को चुनौती दी गई थी। इसके तहत अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार खड़ा है, तो उसे बिना मतदान के निर्विरोध विजेत घोषित किया जा सकता है।

याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, NOTA पर वोट देने से पहले किसी उम्मीदवार के प्रति गंभीर आक्रोश होना चाहिए। इसके जवाब में चुनाव आयोग का कहना है कि अगर उम्मीदवार के प्रति गहरा आक्रोश है तो लोग स्वतंत्र उम्मीदवार भी खड़ा कर सकते हैं। NOTA को किसी उम्मीदवार के बराबरी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है और न ही वो जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 के तहत माना जाता है।

## मेलानिया ही बता पाएंगी कोई तरीका..., ट्रंप से जुड़े सवाल पर शशि थरूर ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहते हैं। इसी कड़ी में अब कांग्रेस नेता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तंज भरे लहजे में निशाना साधा है। दरअसल, शशि थरूर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कैसे निपटा जाए, यह तो केवल मेलानिया ट्रंप ही बता सकती हैं। दरअसल, एक टीवी इंटरव्यू के दौरान जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कैसे निपटा जाए, तो उन्होंने एक मजाकिया और कटाक्ष भरे लहजे में कहा कि मुझे नहीं लगता है कि किसी ने भी ऐसा राजनीतिक नेता देखा है।

## तो सेल्फ गोल साबित होगा ट्रंप का आक्रामक रवैया, मजबूत होगी भारत-रूस की दोस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस लंबे समय से मजबूत सहयोगी रहे हैं। इस बीच भारत अमेरिका के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए रूस के साथ रिश्तों को संतुलित करने का प्रयास कर रहा था। इसके पीछे एक सतर्क सोच भी थी कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखे जाएं।

अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ वार छेड़ कर ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिनमें भारत और रूस की दोस्ती और मजबूत हो सकती है।

यही नहीं, विशेषज्ञ भारत, रूस और चीन की तिकड़ी के समीकरण की बात भी कर रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो यह अमेरिका के हितों के लिहाज से ट्रंप का सेल्फ गोल साबित होगा। आइए नजर डालते हैं कि नई दिल्ली, मॉस्को और बीजिंग में ट्रंप के टैरिफ के बाद किस तरह की हलचल है।

टैरिफ के बीच रूस पहुंचे अजित डोभाल- जब ट्रंप भारत के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने के लिए 24 घंटे की डेडलाइन दे रहे थे, उसी समय भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल रूस की यात्रा पर थे। यह महज संयोग भी हो सकता है लेकिन भूराजनीतिक घटनाक्रम में समय का बहुत महत्व होता है। डोभाल ने रूस के राष्ट्रपति वोलोदिमीर पुतिन से भी मुलाकात की। उन्होंने मॉस्को में ही जानकारी दी कि पुतिन जल्द ही भारत आएंगे और उनके दौरे के लिए जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पुतिन की भारत यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में नए आयाम जोड़ सकती है।

ट्रंप ने बताया था डेड इकोनमी- भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध को फाइनेंस कर रहा है। उन्होंने कहा था कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि रूस और भारत मिलकर अपनी %डेड इकोनमी% के साथ क्या करते हैं।पुतिन की भारत यात्रा की घोषणा से ठीक पहले यह जानकारी सामने आई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन जा सकते हैं। अगर पीएम मोदी चीन जाते हैं तो यह पिछले सात वर्ष में उनकी पहली चीन यात्रा होगी।

गलवान घाटी में चीन और भारत की सेनाओं के बीच खूनी भिड़त के बाद दोनों देश एक बार फिर द्विपक्षीय रिश्तों को पटरी पर लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

# दुश्मनी का महौल, नहीं दिया शादी का इन्विटेशन तो कर दी HR से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में एक महिला ने अपनी शादी की कहानी शेयर करते हुए बताया कि उसने अपनी ऑफिस की साथी को इनवाइट नहीं किया तो उसने एचआर में जाकर शिकायत की और ऑफिस में दुश्मनी का माहौल बनाने का आरोप लगाया।

उसने बताया कि सहकर्मी को जब पता चला कि उसे आमंत्रित नहीं किया गया है, तो उसने दुल्हन से झगड़ा किया। बाद में उसने एचआर में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि दुल्हन एक्सपर्ट बन रही है और शत्रुतापूर्ण माहौल बना रही है।

महिला ने शेयर की पूरी कहानी- रेडिट पोस्ट में दुल्हन ने लिखा कि यह सबसे अजीब कामों में से एक था। महिला ने लिखा, मेरे ऑफिस में एक महिला है जिसके साथ मेरी दोस्ती है, लेकिन ज्यादा करीबी नहीं। हमारी यहां-वहां हल्की-फुल्की बातें होती हैं, कोई गहरी बात नहीं। साथ में लंच भी नहीं किया। काम के बाहर कोई खास जुड़ाव नहीं। उसे पता चला कि मैं शादी करने वाली हूं और उसने पूछा कि शादी कब है। फिर उसने सीधे पूछा कि क्या उसे बुलाया गया है?

महिला ने आगे कहा कि वह हंस पड़ी और उसने बताया कि यह एक बहुत छोटा समारोह था जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार ही शामिल थे। इसके बाद ऑफिस में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। महिला ने बताया, इसके बाद वह थोड़ी शांत हो गई और मैंने भी इसे हल्के में लिया। कुछ दिनों बाद मुझे एचआर से मीटिंग के लिए कॉल आया। पता चला कि उसने एचआर में मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि मैं एक्सक्लूसिव बनने की कोशिश कर रही हूं और लोगों को बाहर रखकर शत्रुतापूर्ण माहौल बना रही हूं।

इसके बाद एचआर डिपार्टमेंट ने शिकायत की समीक्षा की और कहा कि शादी एक निजी मामला है, दुल्हन को अपनी गेस्ट लिस्ट में सहकर्मी को शामिल करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

तिरछी नजरों से देखती है मुझे- महिला ने लिखा, ÷इस घटना के बाद से वह मेरे लिए थोड़ा आक्रमक हो गई है। जैसे जब मैं पास गुजरती हूं तो वो मुझे तिरछी नजरों से देखती है, हल्के फुल्के व्यंग कर करती है। अब भी वो इस बारे में अजीब सी टिप्पणियां करती है।

# बहुत बड़ी भूल..., भारत पर टैरिफ को लेकर भड़के अमेरिका के पूर्व NSA

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इसके बाद से ही ट्रंप की हर तरफ आलोचना हो रही है। अब अमेरिका में भी ट्रंप के फैसले को लेकर आवाज उठने लगी है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति ने भारत और अमेरिका के दशकों पुराने रणनीतिक प्रयासों को कमजोर कर दिया है।

चीन पर अमेरिका की नरमी- उन्होंने कहा कि भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ खासकर रूसी तेल खरीदने पर जो टैरिफ लगाया गया है, उस वजह से भारत रूस और चीन के करीब जा सकता है। बोल्टन ने कहा कि ट्रंप ने अप्रैल में चीन के साथ हल्की व्यापारिक टकराव की शुरुआत की थी, लेकिन किसी बड़े कदम से पीछे हट गए।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने भारत पर 50त्न से ज्यादा टैरिफ लगा दिया, जिसमें 25त्न का सेकेंडरी टैरिफ शामिल है। यह टैरिफ ट्रंप ने इसलिए लगाया क्योंकि उनका कहना है कि भारत रूसी युद्ध मशीन को फंड कर रहा है।

रूस-चीन के साथ जा सकता है भारत- बोल्टन ने कहा कि ट्रंप द्वारा भारत पर इतना टैरिफ लगाना सबसे खराब नतीजा लेकर आया है, क्योंकि भारत ने इसका कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि यह कदम भारत को रूस और चीन के साथ मिलकर अमेरिका के खिलाफ बातचीत करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका के संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि यह सवाल उठ सकता है कि क्या अमेरिका एक भरोसेमंद साझेदार है, क्योंकि भारत इस टैरिफ को याद रखेगा।

हो सकती है संभावित बड़ी गलती- द हिल में लिखे अपने आर्टिकल में बोल्टन ने कहा कि चीन पर ट्रं की नरमी को डील की लालसा के रूप में देखा जा सकता है, जिससे अमेरिकी रणनीतिक हितों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि बीजिंग के लिए नरमी और नई दिल्ली के लिए भारी टैरिफ संभावित रूप से बड़ी गलती हो सकती है।

## 11000 की जनसंख्या वाले देश पर मंडरा रहा है डूबने का खतरा, ऑस्ट्रेलिया ने खोले दरवाजे

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण दुनिया के कई देश डूबने की कगार पर हैं। प्रशांत महासागर में मौजूद तुवालु भी इन्हीं में से एक है। वायर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, तुवालु अगले 25 साल में डूब जाएगा। ऐसे में तुवालु के लोगों ने अभी से पलायन करना शुरू कर दिया है।

9 कोरल आईलैंड और अटॉल्स से बने तुवालु देश की जनसंख्या महज 11,000 है। यह द्वीप समुद्रतल से महज 2 मीटर ऊंचा है। ऐसे में तुवालु से लोगों का पलायन दुनिया का पहला योजनाबद्ध प्रवास माना जा रहा है।

2 आईलैंड डूबे- समुद्रतल से कम ऊंचाई के कारण तुलावु में अक्सर बाढ़ और समुद्री तूफान जैसे खतरे बने रहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तुवालु के 9 में से 2 आईलैंड पहले ही डूब चुके हैं और बाकी आईलैंड भी डूबने की कगार पर हैं।

15 सालें की तुलना में 2023 में तुवालु के आसपास का समुद्रीस्तर 15 सेंटीमीटर बढ़ गया था। ऐसे में संभावना है कि अगले 25 सालों यानी 2050 तक तुवालु पूरी तरह से डूब जाए। 2023 में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया ने फॉलेपिली समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

# न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, 3 लोग बुरी तरह जख्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित टाइम्स स्क्वायर पर शनिवार (09 अगस्त, 2025) को जमकर गोलीबारी हुई। घटना में 3 लोग घायल हुए हैं और एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना स्थानीय समय के मुताबिक रात लगभग एक बजकर बीस मिनट के आसपास हुई। सोशल मीडिया पर घटना से संबंधित कथित वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों को घटनास्थल से भागते हुए और पुलिस को इलाके की घेराबंदी करने के साथ-साथ घायल लोगों की देखभाल करते हुए दिखाया गया है।

हिरासत में संदिग्ध से की जा रही पूछताछएक संदिग्ध को कथित तौर पर हिरासत में ले लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

# रूस की धरती से भारत का ट्रंप को साफ संदेश, NSA डोभाल की पुतिन के बाद डिप्टी पीएम से मुलाकात के क्या है मायने?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच की नजदीकी अमेरिका की आंखों में चुभ रही है। रूस से तेल खरीदने के कारण ट्रंप ने इंडिया पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इन्हीं घटनाओं के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल रूस की यात्रा पर हैं।

रूस की यात्रा पर पहुंचे ह्न अजीत डोभाल ताबड़तोड़ बैठकें कर रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पुतिन जल्द ही भारत की यात्रा करेंगे, जिसकी तारीखें बहुत जल्द हमारे सामने होंगी। इसके अलावा एनएसए डोभाल ने रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंटुरोव की शुक्रवार को मुलाकात हुई।

बता दें कि एनएसए अजीत डोभाल अपनी रूसी यात्रा के दौरान कई बैठकें कर चुके हैं। एनएसए की ये बैठकें रूसी राष्ट्रपति, रूस के डिप्टी पीएम के साथ हुई हैं। वहीं, डोभाल ने रूसी सुरक्षा परिसद के सचिव सर्गेई शोइंगू से भी बातचीत की है। बताया जा रहा है कि इस दौरान शोइंगू ने कहा कि भारत और रूस के बीच दोस्ती मजबूत और समय की कसौटी पर खरी उतरी है।

# सिर जमीन में धंसा, हाथ बंधे... पेरू के समुद्री तट पर मिले 3000 साल पुराने कंकालों का क्या है रहस्य?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरू के उत्तरी तट पर 3000 साल पुराने मानव के कंकाल बरामद हुए हैं। पुरातात्विक वैज्ञानिकों को यहां एक दो नहीं बल्कि 14 मानव के कंकाल मिले हैं, जिनमें से अधिकतर कंकालों के मुंह जमीन में धंसे और हाथ बंधे हुए हैं।

यह कंकाल पेरू के उत्तरी तट पर एक अनुष्ठानिक मंदिर के पास मिले हैं। यह मंदिर क्यूपिसनिक संस्कृति का हिस्स है, जो सदियों पहले पेरू में फली-फूली थी।

जमीन में धंसा सिर- सभी कंकाल रेत के टीलों पर मिले हैं। इन टीलों पर गड्ढों में कंकालों को रखा गया था। वहीं, आमतौर पर कंकाल दफनाने के साथ ढेर सारा खजाना या अन्य चीजें भी दफनाई जाती हैं, लेकिन इन कंकालों के पास ऐसी कोई चीज नहीं मिली है।

क्या हो सकती है वजह- कंकालों की खुदाई का नेतृत्व करने वाली पुरातत्वविद हेनरी टैंटालियन के अनुसार, जिस तरह सभी कंकालों को दफनाया गया है, वो काफी असाधारण है। मुमकिन है कि यह किसी मानव बलि का हिस्सा रहा हो।

महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल घोषित- यह सभी कंकाल पेरू की राजधानी लीमा से 420 मील (लगभग 675 किलोमीटर) दूर ला लिबर्टाड में समुद्र के पास मिले हैं। कंकाल मिलने के बाद अब इस क्षेत्र को महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों की लिस्ट में शामिल कर दिया गया है।

# सब मेरी वजह से हुआ, एक न्यूक्लियर अटैक और नागासाकी की इस मां का दूध बन गया बच्चे के लिए जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 80 साल पहले अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला किया था। इसमें एक झटके में हजारों लोगों की मौत हुई और न जाने कितने लोगों की जिंदगी तबाह हो गई और जो लोग बच गए उनकी जिंदगी भी हमेशा के लिए बदल गई। ब्लास्ट और रेडिएशन से बची महिलाओं को नई वास्तविकताओं का सामना करना पड़ रहा है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नागासाकी ही महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि कैसे रेडिएशन ने महिलाओं की जिम्मेदारी, पारिवारिक अपेक्षाओं और हिबाकुशा माताओं में जनता के विश्वास के मायने ही बदल दिए। ऐसी ही एक कहानी नागासाकी की एक मां की है, जिसके बेटे को बाद में ल्यूकेमिया हो गया और इसकी वजह डॉक्टरों ने स्तनपान के दौरान फैलने वाली विकिरण बीमारी बताया।

नाकामुरा... ये उस मां का नाम है जो ये मानती है कि उसके बच्चे की मौत उसकी वजह से हुई। दरअसल, अमेरिका के परमाणु हमले में बचने के तीन साल बाद वो एक बच्चे को जन्म देती हैं। बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है और एक दिन उसकी पीठ पर कुछ गांठें दिखाई पड़ती हैं। पहले तो वो ये सोचती हैं कि ये सिर्फ दाने हैं और बेटे से कहती हैं कि वो अस्पताल में जाकर डॉक्टर की सलाह ले।

# मोदी सरकार का समर्थन जरूरी, शरद पवार के क्यों बदले सुर, कहा- देशहित में करना होगा ये काम



नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को राष्ट्रीय हित में टैरिफ तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव की रणनीति के खिलाफ केंद्र सरकार का समर्थन करने का आह्वान किया।

पवार ने नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना दबाव बनाने की रणनीति है। हम भारत के लोगों को देश के हितों की रक्षा के लिए सरकार का समर्थन करना चाहिए।

जो भी दिल में आता है, आवेग में बोल देते हैं ट्रंप- पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इस बात पर अटकलें नहीं लगाना चाहते कि मोदी सरकार की विदेश नीति विफल हो गई है या नहीं। उन्होंने कहा, हमने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की कार्यशैली उनके पहले कार्यकाल में देखी थी। मुझे लगता है कि उन पर किसी का नियंत्रण नहीं है। वह जो भी दिल में आता है, आवेग में आकर बोल देते हैं।

पड़ोसी देशों को लेकर कही ये बात पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत और पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती दूरी के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, हम अपने पड़ोसी देशों के प्रति अपने रवैये को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। आज पाकिस्तान हमारे खिलाफ है, जबकि नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे देश हमसे खुश नहीं हैं।

शरद पवार ने आगे कहा, हमारे पड़ोसी हमसे दूर जा रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी साहब को इस पहलू को नजरअंदाज़ नहीं करना चाहिए और संबंधों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

## SIR पर किसी दल ने नहीं दर्ज कराई आपत्ति, बिहार मतदाता सूची पर संग्राम के बीच चुनाव आयोग का बड़ा बयान




नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि उसे बिहार में मतदाता सूची के मसौदे के संबंध में किसी भी राजनीतिक दल से एक भी दावा या आपत्ति नहीं मिली है।

चुनाव आयोग ने कहा, दावों और आपत्तियों की अवधि शुरू होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी, किसी भी राजनीतिक दल की ओर से एक भी दावा या आपत्ति दर्ज नहीं की गई है। मसौदा मतदाता सूची में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए दावे और आपत्तियां पेश करने के लिए खिड़की 1 अगस्त को खोली गई थी।

चुनाव आयोग ने क्या कहा- बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर जारी डेली बुलेटिन में चुनाव आयोग ने कहा कि हालांकि, आज तक मसौदा सूची के संबंध में चुनाव आयोग को मतदाताओं से सीधे तौर पर 7,252 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। 18 साल या उससे अधिक उम्र के नये मतदाताओं से 43,000 फॉर्म मिले हैं। एसआईआर के आदेशों के मुताबिक, 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी नाम को, ईआरओ/एईआरओ के जांच करने और निष्पक्ष एवं उचित अवसर दिए जाने के बाद आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता।

## ट्रेन के दरवाजे के पास बजुर्ग महिला कर रही थी भाई का इंतजार, लुटेरों ने दिया धक्का और...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में एक 64 साल की महिला के साथ लूटपाट का मामला सामने आया है। रेलवे पुलिस ने शनिवार को बताया कि ये घटना संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में घटी, जहां एक महिला के साथ लूटपाट की गई और उसे धक्का दे दिया गया।

रेलवे पुलिस ने आगे बताया कि कोझिकोड रेलवे स्टेशन पार करने के बाद धीमी गति से चल रही संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से एक 64 साल की महिला को धक्का दे दिया गया और उससे 8,000 रुपये से अधिक की नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया गया। महिला अपने भाई के साथ महाराष्ट्र के पनवेल से केरल के त्रिशूर जा रही थी।

ट्रेन के गेट के पास कर रही थी भाई का इंतजार- रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे हुई, जब ट्रेन कोझिकोड रेलवे स्टेशन से रवाना हुई थी। महिला ने दावा किया है कि हमलावर केरल के बाहर का लग रहा था। पुलिस ने बताया कि घटना के समय महिला ट्रेन के दरवाजे के पास खड़ी होकर अपने भाई के शौचालय से बाहर आने का इंतजार कर रही थी।

पुलिस ने बताया कि हमलावर ने उसका बैग छीनने की कोशिश की और जब उसने विरोध किया, तो उसने उसे ट्रेन से धक्का दे दिया, उसके पीछे कूद गया, उसका सामान छीन लिया और भाग गया।

## काबा के लिए क, मस्जिद के लिए म और... हिंदी वर्णमाला में धार्मिक एंगल पर मचा बवाल, प्रिंसिपल के खिलाफ जांच के आदेश



नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में एक एक कॉन्वेंट स्कूल के प्रिंसिपल की ओर से कथित तौर पर इस्लामी संदर्भों वाले वर्णमाला चार्ट वितरित किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि बेबी कॉन्वेंट स्कूल के प्रिंसिपल आईए कुरैशी ने कथित तौर पर छात्रों को हिंदी वर्णमाला चार्ट दिए, जिनमें क का अर्थ काबा, म का अर्थ मस्जिद और न का अर्थ नमाज था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और कुरैशी का घेराव किया।

पुलिस का क्या कहना है- उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) प्रतिभा शर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने स्थिति पर काबू पा लिया। शर्मा ने कहा, मामला शिक्षा विभाग से संबंधित है और इसे जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को भेज दिया गया है।

डीईओ डी डी रजक ने कहा कि आरोपों की जांच की जा रही है। उन्होंने आगे कहा, शिक्षा विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार, किसी विशेष धर्म के धार्मिक प्रतीकों वाली अध्ययन सामग्री स्कूलों में नहीं पढ़ाई जा सकती।

प्रिंसिपल कुरैशी ने मानी अपनी गलती- प्रिंसिपल कुरैशी ने अपनी अनजाने में हुई गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उर्दू-हिंदी मिश्रित पहाड़े वाली ऐसी एक-दो किताबें छात्रों तक पहुंची थीं। उन्होंने दावा किया कि वर्णमाला के चार्ट भोपाल से मंगवाए गए थे और विक्रेता की गलती के कारण, मदरसों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली तीन-चार ऐसी चीजें शामिल कर दी गईं।

## महाराष्ट्र में मराठी पर फिर बवाल, MNS कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर दुकानदार को पीटा



नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर राज ठाकरे की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर दुकानदार पर हमला बोल दिया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के लोगों का आरोप है कि दुकानदार ने मराठी बोलने वाले लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था, इसलिए उन्होंने दुकानदार को जमकर पीटा।

MNS कार्यकर्ताओं की सरेआम गुंडागर्दी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। यह घटना शुक्रवार को ठाणे के दुर्गामाता मंदिर चौक के पास देखने को मिली।

कहां हुआ घटना- कल्याण ईस्ट में दुर्गामाता मंदिर चौक के पास एक शख्स साउथ इंडियन खाने का होटल चलाता है। MNS के कार्यकर्ताओं द्वारा उसे मारने का वीडियो सामने आया है। इस घटना का मुख्य आरोपी MNS कार्यकर्ता कुश राजपूत है।

क्या है पूरा मामला- MNS कार्यकर्ताओं का आरोप है कि शख्स ने राज ठाकरे और मराठी भाषी लोगों के लिए गलत शब्द का इस्तेमाल किया। इसलिए उन्होंने मिलकर न सिर्फ उसकी पिटाई की बल्कि उससे माफी भी मंगवाई और भविष्य में फिर कभी ऐसा न बोलने का वादा लिया।

पुलिस ने दर्ज किया मामला- मीर भयंदर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है, ÷हमने इस घटना का वीडियो देखा है। मामले पर कार्रवाई की जा रही है। हमने इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी है।

पहले भी हुई गुंडागर्दी- हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब MNS के कार्यकर्ताओं को सरेआम गुंडागर्दी करते हुए देखा गया है। इससे पहले भी स्ह्स के कुछ कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर एक दुकानदार पर थप्पड़ों की बरसात कर दी थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

## BJP प्रवक्ता को पार्टी ने क्यों दिखाया बाहर का रास्ता? जगदीप धनखड़ और सत्यपाल मलिक से जुड़ी है वजह





भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान
सी-61, सरदार पटेल मार्ग,सी-स्कीम,जयपुर-302001 फोन न.- 0141-2225040, 2221364
Mail ID - bjprajasthanjaipur@gmail.com

दिनांक :-08 अगस्त, 2025
8554

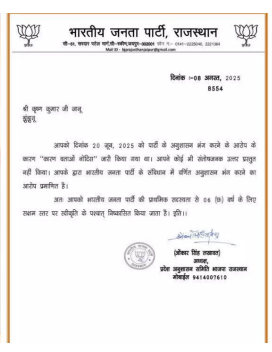

श्री कृष्ण कुमार जी जानू
झुंझुनू

आपको दिनांक 20 जून, 2025 को पार्टी के अनुशासन भंग करने के आरोप के कारण "कारण बताओं नोटिस" जारी किया गया था। आपने कोई भी संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। आपके द्वारा भारतीय जनता पार्टी के संविधान में वर्णित अनुशासन भंग करने का आरोप प्रमाणित है।

अतः आपको भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 06 (छः) वर्ष के लिए सक्षम स्तर पर स्वीकृति के पश्चात् निष्कासित किया जाता है। इति।।

(ओंकार सिंह लखावत)
अध्यक्ष,
प्रदेश अनुशासन समिति भाजपा राजस्थान
मोबाईल 9414007610

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान के प्रवक्ता कृष्ण कुमार जानू को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अब वो अगले 6 साल तक बीजेपी में शामिल नहीं हो सकेंगे।

दरअसल कृष्ण कुमार ने जम्मू कश्मीर के पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक और देश के पूर्व राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का पक्ष लेते हुए मीडिया के सामने अपनी ही पार्टी को खरी-खोटी सुनाई थी। पार्टी के खिलाफ बयान देने के बाद बीजेपी आलाकमान ने उन्हें 6 साल के लिए सस्पेंड कर दिया है।

बीजेपी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पार्टी की अनुशासन प्रक्रिया के तहत कृष्ण कुमार के खिलाफ एक्शन लिया गया है। राजस्थान में बीजेपी के अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने 20 जून को ही कृष्ण कुमार के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

लखावत के अनुसार, कृष्ण कुमार अपने बयानों के पीछे ठोस कारण बताने में नाकामयाब रहे हैं, जिसके कारण कमेटी ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से बाहर करने का फैसला किया है।

वीडियो में की थी पार्टी की आलोचना- दरअसल कुछ समय पहले कृष्ण कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था, जिसमें वो पार्टी की आलोचना करते दिखाई दे रहे थे। उनका कहना था कि पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक के साथ बीजेपी के उच्च अधिकारियों ने अपमानजनक व्यवहार किया है।

वहीं, जगदीप धनखड़ के द्वारा उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद भी कृष्ण कुमार ने अपनी ही पार्टी पर सवाल खड़े कर दिए थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा


मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

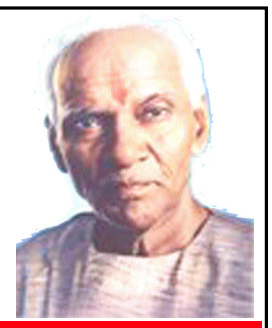

## संपादकीय

# अमेरिका के राष्ट्रपति पूरी दुनियाँ में अपने टैरिफ़ की हुंकार भर रहे हैं...

वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के राष्ट्रपति पूरी दुनियाँ में अपने टैरिफ़ की हुंकार भर रहे हैं, जिसको वह एक दबाव क़े अस्त्र के रूप में उपयोग कर,सभी देशों से अपने ढंग से अपनी शर्तों पर समझौता करवा कर उन्हें टैरिफ में छूट दे रहे हैं। जबकि जिस देश में अमेरिका का काम अड़ा हुआ है या कुछ जरूरी आपूर्ति के रूप में प्राप्त हो रहाहै तो उसे वह छोड़ रहे हैं। अनेक देश उनके टैरिफ दबाव के कारण समझौते पर राजी हो गए हैं, परंतु भारत रूस से रक्षा उपकरण खरीदने तथा पशुपालन डेयरी फार्म, किसान व मछली उद्यम क्षेत्र सहित कुछ मुद्दों पर मुक्त व्यापार समझौता नहीं करने पर अड़ा हुआ है,जिसके कारण बात बहुत भयंकर हद तक बिगड़ गई है। दो दिन पूर्व 50 पेर्सेंट टैरिफ की घोषणा के बाद, अब 8 जुलाई 2025 को ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड पर कोई मीटिंग या बातचीत नहीं करने की घोषणा की है,यानें अब अमेरिका से आने वाला अधिकारियों का डेलिगेशन नहीं आएगा तथा अब भारत अमेरिका के साथ दो-दो हाथ करने को तैयार बैठा है, जिसपर ट्रंप सहित पूरा विश्व हैरान है कि, भारत ने इतने प्रभावशाली देश को तगड़ा जवाब कैसे दे दिया, भारत के पीछे उसके साथ कौन आकर खड़ा हो गया है? इत्यादि अनेक सवाल उठ गए हैं। बता दें 8 अगस्त 2025 को ही भारतीय पीएम ने रूस के राष्ट्रपति के साथ टेलीफोन पर वार्ता की, व रूसी राष्ट्रपति की शीघ्र ही भारत आने की संभावना है, तथा चीन ब्राजील इजरायल ईरान से भी भारत का समर्थन करने के इंडिकेशन प्राप्त हो रहे हैं। संभावना है कि भारतीय पीएम 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लेने व चीन रूस ब्राजील इत्यादि देशों से नतीजात्मक वार्ता जरूर होगी व रूस चीन भारत का ट्रायंगल बन सकता है, जो अमेरिका के लिए मुसीबतों का द्वार खोल सकता है, तो फिर निश्चित रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चाहत को झटका लग सकता है। उधर पाक जनरल का अमेरिका के निरंतरण पर कुछ हफ्तों में दूसरी बार दौरा कर रहे हैं।इस बीच ट्रंप ने और अधिक टैरिफ बढ़ाने और अनेक पाबंदियां लगाने का इशारा दे दिया है। बता दे उन्हें संसद से 500 पेर्सेंट तक टेरिफ लगाए जाने वाला बिल पास होने की संभावना है।चूँकि भारत पर ट्रंप का टैरिफ वार,भारत क़ा झुकाने से इनकार,विश्व के दिग्गज देश भारतीय समर्थन को तैयार?इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप के टैरिफ पीड़ित देशों का समूह अगर एकजुट हुए तो ट्रंप की मुश्किलें बहुत अधिक बढ़ेगी? साथियों बात अगर हम टैरिफ मुद्दे पर भारत अमेरिका की तेजी से बढ़ती तकरार की करें तो, एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत से आयातित सामान पर टैक्स 25 से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है तो वहीं भारत ने ट्रंप के इस फैसले को पूरी तरह अनुचि?त ,अन?यायपूर्ण और असंगत करार दिया, वहीं भारत क़े पीएम ने भी बिना नाम लिये अमेरिका को कड़ा संदेश दिया है।भारत के खिलाफ ट्रम्प के टैरीफ वार ने देश के 146 करोड़ लोगों को एकजुट कर दिया है। भारत ने अमेरिका को एक दोस्त मानते हुए बराबरी के रिश्ते को मजबूत करने की कोशिश की। लेकिन ट्रम्प भारत से व्यक्तिगत और व्यापारिक फायदे उठाना चाहते थे। आज हमारे देश में करीब 70 करोड़ लोग कृषि पर निर्भर है,करीब 3 करोड़ लोग मछलीपालन से जुड़े हुए है, जबकि 8 करोड़ परिवार ऐसे है जिनके पास गाय-भैंस है।आज इन सभी लोगों के हितों को बचाने केलिए पीएम लड़ रहे हैं।

# योगेन्द्र सिंह यादव

ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय व्यक्ति है। इन्हें यह सम्मान सन 1999 में मिला। युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन के छक्के छुड़ाते हुए अपने प्राणों की बलि देने वाले जवानों की सूची बड़ी लम्बी है, जिन्होंने राष्ट्र की उत्कृष्ट शौर्य परम्परा को जीवन्त किया। कारगिल युद्ध के बाद भारतीय सेना के चार शूरवीरों को परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्हीं में एक ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव भी हैं।

जीवन परिचय- सबसे कम मात्र 19 वर्ष कि आयु में 'परमवीर चक्र' प्राप्त करने वाले इस वीर योद्धा योगेन्द्र सिंह यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद के औरंगाबाद अहीर गांव में 10 मई, 1980 को हुआ था। 27 दिसंबर, 1996 को सेना की 18 ग्रेनेडियर बटालियन में भर्ती हुए योगेन्द्र सिंह यादव की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी सेना की ही रही है, जिसके चलते वो इस ओर तत्पर हुए।

मई-जुलाई 1999 में हुई भारत और पाकिस्तान की कारगिल की लड़ाई वैसे तो हमेशा की तरह, भारत की विजय के साथ खत्म हुई, लेकिन उसे बहुत अर्थों में एक विशिष्ट युद्ध कहा जा सकता है। एक तो यह कि, यह लड़ाई पाकिस्तान की कुटिल छवि को एक बार फिर सामने लाने वाली कही जा सकती है। पाकिस्तान इस लड़ाई की योजना के साथ कई वर्षों से जाँच परख भरी तैयारी कर रहा था, भले ही ऊपरी तौर पर वह खुद को शांति वाहक बताने से भी चूक नहीं रहा था। दूसरी ओर, यह लड़ाई बेहद कठिन मोर्चे पर लड़ी गई थी। तंग संकरी पगडंडी जैसे पथरीले रास्ते, और बर्फ से ढकी पहाड़ की चोटियाँ। यह ऐसे माहौल की लड़ाई थी, जिसकी हमारे सैनिक सामान्यतः उम्मीद नहीं कर सकते थे, दूसरी तरफ, पाकिस्तान के सैनिकों को इस दुश्वार जगह युद्ध का अध्यान न जाने कब से दिलाया जा रहा था। इस युद्ध में भारत के चार योद्धाओं को परमवीर चक्र दिए गए, जिनमें से दो योद्धा इसे पाने से पहले ही वीरगति को प्राप्त हो गए। सम्मान सहित स्वयं उपस्थित होकर जिन दो बहादुरों नें यह परमवीर चक्र पाया, उनमें से एक थे ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, जो 18 ग्रेनेडियर्स में नियुक्त थे। इनके पिता करन सिंह यादव भी भूतपूर्व सैनिक थे वह कुमायूँ रेजिमेंट से जुड़े हुए थे और 1965 तथा 1971 की लड़ाइयों में हिस्सा लिया था। पिता के इस पराक्रम के कारण योगेन्द्र सिंह यादव तथा उनके बड़े भाई जितेन्द्र दोनों फौज में जाने को लालायित थे। दोनों के अरमान पूरे हुए। बड़े भाई जितेन्द्र सिंह यादव आर्टिलरी कमान में गए और योगेन्द्र सिंह यादव ग्रेनेडियर बन गए। योगेन्द्र सिंह यादव जब सेना में नियुक्त हुए तब उनकी उम्र केवल 16 वर्ष पाँच महीने की थी। 19 वर्ष की आयु में वह परमवीर चक्र विजेता बन गए। उन्होंने यह पराक्रम कारगिल की लड़ाई में टाइगर हिल के मोर्चे पर दिखाया।

कारगिल की लड़ाई में पाकिस्तान का मंसूबा कश्मीर को लद्दाख से काट देने का था, जिसमें वह श्रीनगर-लेह मार्ग को बाधित करके कारगिल को एकदम अलग-थलग कर देना चाहते थे, ताकि भारत का सियाचिन से सम्पर्क मार्ग टूट जाए इस तरह पाकिस्तान का यह मंसूबा भी कश्मीर पर ही दांव लगाने के लिए था। टाइगर हिल इसी पर्वत श्रेणी का एक हिस्सा था। द्रास क्षेत्र में स्थित टाइगर हिल का महत्व इस दृष्टि से था कि यहाँ से राष्ट्रीय राजमार्ग 1 पर नियंत्रण रखा जा सकता था। इस राज मार्ग पर अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी फौजी ने अपनी जड़ें मजबूती से जमा रखी थीं और उनका वहाँ हथियारों और गोलाबारूद का काफ़ी जखीरा पहुँचा हुआ था। भारत के लिए इस ठिकाने से दुश्मन को हटाना बहुत ज़रूरी था। टाइगर हिल को उत्तरी, दक्षिणी तथा पूर्वी दिशाओं से भारत की 8 सिख रेजिमेंट ने पहले ही अलग कर लिया था और उसका यह काम 21 मई को ही पूरा हो चुका था। पश्चिम दिशा से ऐसा करना दो कारणों से नहीं हुआ था। पहला तो यह, कि वह हिस्सा नियंत्रण रेखा के उस पार पड़ता था, जिसे पार करना भारतीय सेना के लिए शिमला समझौते के अनुसार प्रतिबन्धित था, लेकिन पाकिस्तान ने उस समझौते का उलंघन कर लिया था दूसरा कारण यह था कि अब पूरी रिज पर दुश्मन घात लगा कर बैठ चुका था। ऐसी हालत में भारत के पास आक्रमण ही सिर्फ एक रास्ता बचा था।

टाइगर हिल पर तिरंगा- 3-4 जुलाई 1999 की रात को 18 ग्रेनेडियर्स को यह जिम्मा सौंपा गया कि वह पूरब की तरफ से टाइगर हिल को कब्जे में करें। उसके लिए वह 8 सिख बटालियन को साथ ले लें। इसी तरह 8 सिह बटालियन को भी यय जिम्मा सौंपा गया कि वह हमले का दवाब दक्षिण तथा उत्तर से बनाए रखें और इस तरह टाइगर हिल को पश्चिम की तरफ से अलग-थलग कर दें। रात साढ़े 8 बजे टाइगर हिल पर आक्रमण का सिलसिला शुरू किया गया। 4 जुलाई 1999 को आधी रात के बाद डेढ़ बजे 18 ग्रेनेडियर्स ने टाइगर हिल के एक हिस्से पर अपना क़ब्ज़ा जमा लिया। इसी तरह सुबह 4.00 बजे तक 8 सिख बटालियन ने भी अपने हमलों का दबाव बनाते हुए पश्चिमी छोर से टाइगर हिल के महत्त्वपूर्ण ठिकाने अपने काबू में कर लिए और 5 जुलाई को यह मोर्चा काफ़ी हद तक फ़तह हो गया। इस बीच 18 ग्रेनेडियर्स ने अपने हमले जारी रखे और भारी प्रतिरोध के बावजूद टाइगर हिल को पूरी तरह हथियाने का काम चलता रहा। 8 सिख बटालियन पाकिस्तानी फौजों के जवाबी हमले नाकामयाब करती रहीं और इस तरह 11 जुलाई को टाइगर हिल पूरी तरह भारत के कब्जे में आ गया।

अदम्य साहस का परिचय- 3-4 जुलाई, 1999 से शुरू होकर 11 जुलाई, 1999 तक चलने वाला विजय अभियान इतना सरल नहीं था और उसकी सफलता में ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव का बड़ा योगदान है। ग्रेनेडियर यादव की कमांडो प्लाटून %घटक% कहलाती थी। उसके पास टाइगर हिल पर क़ब्ज़ा करने के क्रम में लक्ष्य यह था कि वह ऊपरी चोटी पर बने दुश्मन के तीन बंकर काबू करके अपने कब्जे में ले। इस काम को अंजाम देने के लिए 16,500 फीट ऊँची बर्फ से ढकी, सीधी चढ़ाई वाली चोटी पार करना ज़रूरी था। इस बहादुरी और जोखिम भरे काम को करने का जिम्मा स्वेच्छापूर्णक योगेन्द्र ने लिया और अपना रस्सा उठाकर अभियान पर चल पड़े। वह आधी ऊँचाई पर ही पहुँचे थे कि दुश्मन के बंकर से मशीनगन गोलियाँ उगलने लगीं और उनके दागे गए राकेट से भारत की इस टुकड़ी का प्लाटून कमांडर तथा उनके दो साथी मारे गए। स्थिति की गम्भीरता को समझकर योगेन्द्र सिंह ने जिम्मा संभाला और आगे बढ़ते बढ़ते चले गए। दुश्मन की गोलाबारी जारी थी। योगेन्द्र सिंह लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहे थे कि तभी एक गोली उनके कँधे पर और रो गोलियाँ उनकी जाँघ पेट के पास लगीं लेकिन वह रुके नहीं और बढ़ते ही रहे। उनके सामने अभी खड़ी ऊँचाई के साठ फीट और बचे थे। उन्होंने हिम्मत करके वह चढ़ाई पूरी कीऔर दुश्मन के बंकर की ओर रेंगकर गए और एक ग्रेनेड फेंक कर उनके चार सैनिकों को वहीं ढेर कर दिया। अपने घावों की परवाह किए बिना यादव ने दूसरे बंकर की ओर रुख किया और उधर भी ग्रेनेड फेंक दिया। उस निशाने पर भी पाकिस्तान के तीन जवान आए और उनका काम तमाम हो गया। तभी उनके पीछे आ रही टुकड़ी उनसे आ कर मिल गई। आमने-सामने की मुठभेड़ शुरू हो चुकी थी और उस मुठभेड़ में बचे-खुचे जवान भी टाइगर हिल की भेंट चढ़ गए। टाइगर हिल फ़तह हो गया था और उसमें ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह का बड़ा योगदान था। अपनी वीरता के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह ने परमवीर चक्र का सम्मान पाया और वह अपने प्राण देश के भविष्य के लिए भी बचा कर रखने में सफल हुए यह उनका ही नहीं देश का भी सौभाग्य है।

टाइगर हिल का टाइगर- भारत और पाकिस्तान की नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों 1999 के प्रारम्भ में कारगिल क्षेत्र की 16 से 18 हजार फुट ऊंची पहाड़ियों पर क़ब्ज़ा जमा लिया था। मई 1999 के पहले सप्ताह में इन घुसपैठियों ने श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण राजमार्ग पर गोलीबारी आरंभ कर दी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारत ने इन घुसपैठियों के विरुद्ध आपरेशन विजय के तहत कार्रवाई आरंभ की।

# हर शेयर के बदले 156 रुपये दे रही है ये पेंट कंपनी, जानें भारी भरकम डिविडेंड पाने की क्या है रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्जो नोबेल के बोर्ड ने 4 अगस्त को वित्त वर्ष 2025-26 के अपने पहली तिमाही के नतीजों के साथ 156 प्रति शेयर के स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की थी। प्रत्येक पात्र शेयरधारक को इस वैश्विक पेंट निर्माता कंपनी में अपने प्रत्येक शेयर के लिए 156 का लाभांश मिलेगा। कंपनी ने इसकी रिकॉर्ड डेट भी घोषित की थी। जिन शेयर धारकों के पास रिकॉर्ड डेट तक शेयर रहेंगे वह स्पेशल डिविडेंड पाने के पात्र रहेंगे।

भारत में 70 वर्षों से सक्रिय एक्जो नोबेल इंडिया पर सबकी नजर है। एक्जो नोबेल इंडिया लिमिटेड एक प्रमुख पेंट और कोटिंग्स कंपनी है जो ड्यूलक्स पेंट्स का उत्पादन करती है।

4 अगस्त को कंपनी ने फाइलिंग के माध्यम से बीएसई को सूचित किया था कि 30 जून 2025 तक कंपनी की प्रतिधारित आय में से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 156 रुपये का स्पेशल डिविडेंड घोषित किया है।स्पेशल डिविडेंड के लिए कंपनी रिकॉर्ड डेट सोमवार, 11 अगस्त 2025 तय की है। एक्जो नोबेल ने यह भी कहा कि लाभांश जारी करने का भुगतान 4 अगस्त 2025 से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। अगर आपके पास अभी इसके शेयर है तो स्पेशल डिविडेंड पाने के लिए इसे 11 अगस्त तक अपने पास रखना होगा तभी इसका लाभ मिलेगा।

कैसा रहा कंपनी का तिमाही प्रदर्शन- कंपनी ने पहली तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में लगभग 23त्न की गिरावट दर्ज की, जो 88 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 113.9 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुख्य परिचालन से राजस्व 3.9त्न घटकर 995.1 करोड़ रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 1,036.3 करोड़ था।

## नेहरू के कहने पर TATA ने शुरू की थी LAKME

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज भारत में कई कंपनियों के ब्यूटी प्रोडक्ट्स मिलते हैं। लेकिन एक समय था जब भारत की अपनी कोई ब्यूटी कंपनी नहीं थी। वो समय था आजादी के बाद का। उस समय महिलाएं सजने-संवरने के लिए विदेश से मेकअप का सामान मंगाया करती थीं। ब्यूटी प्रोडक्ट्स आयात करने में फॉरेन एक्सचेंज पर भार पड़ रहा था। ऐसे में सरकार ने इसके आयात पर बैन लगा दिया। यही वो पल था जब भारत ने अपने पहले बड़े ब्रांड को स्थापित करने की सोची। यही वो समय था जब जन्मा था भारत का सबसे बड़ा ब्यूटी ब्रांड LAKME बहुत से लोगों को लगता है कि लैक्मे विदेशी ब्रांड है। लेकिन ऐसा नहीं है। यह भारत का ब्यूटी ब्रांड है। इसको शुरू करने के पीछे भारत के पूर्व और पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का हाथ है। उन्होंने ही इसकी नींव रखी थी आइए जानते हैं वो किस्सा जब लैक्मे शुरू हुआ और फिर टाटा ने LAKME को क्यों बेच दिया।

लैक्मे के प्रोडक्ट्स जिनमें लिप ग्लॉस, स्टेटमेंट विंग्ड आईलाइनर आदि शामिल हैं। इस ब्रांड के प्रोडक्ट्स महिलाओं के बीच सबसे अधिक पसंद किए जाते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने जेआरडी टाटा को इस कॉस्मेटिक ब्रांड को शुरू करने के लिए कैसे राजी किया, इसके पीछे एक कहानी है।

## आ गई मोतीलाल ओसवाल की सेक्टर ऑफ द वीक रिपोर्ट, इस एनर्जी स्टॉक को मिली जगह; टारगेट प्राइस जानकर आ जाएगा लालच

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में हर सप्ताह निवेशक विशेष सेक्टर पर निवेश करके मोटा रिटर्न कमाने का प्रयास करते हैं। कई बार ये दांव उल्टा पड़ जाता है। क्योंकि हम बिना टेक्निकल एनालिसिस और विशेषज्ञ के गाइडेंस के बिना ही स्टॉक का चुनाव कर लेते हैं।

लेकिन अगर हम अच्छे से रिसर्च करके विशेषज्ञ से सलाह लेकर निवेश करें तो शायद नुकसान की जगह फायदा हो सकता है। अगले सप्ताह अगर आप मुनाफे कमाने की सोच रहे हैं तो ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल की सेक्टर ऑफ द वीक रिपोर्ट आपकी मदद कर सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने जागरण बिजनेस के साथ इस रिपोर्ट को शेयर किया और ऐसे सेक्टर का चुनाव किया है जिसकी इस समय चर्चा हो रही है। आइए जानते हैं कि ब्रोकरेज फर्म ने किस स्टॉक का चुनाव किया है।

एनर्ज सेक्टर पर मोतीलाल ओसवाल ने जताया भरोसा- ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एनर्जी सेक्टर पर भरोसा जताया है। फर्म ने अपनी रिपोर्ट में कहा, भारत का रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस एक महत्वपूर्ण बदलाव में प्रवेश कर गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 31 जुलाई, 2025 से प्रमुख पवन टरबाइन घटकों को अनुमोदित मॉडल और निर्माताओं की लिस्ट प्राप्त करने का आदेश दिया है। यह नीति घरेलू पवन टरबाइन निर्माण को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है, साथ ही बाजार में प्रतिस्पर्धा और परियोजना की व्यवहार्यता के दीर्घकालिक मुद्दों का समाधान भी करती है।

ब्रोकरेज फर्म ने अगले सप्ताह के लिए इस स्टॉक को चुना- ब्रोकरेज फर्म ने एनर्जी सेक्टर की कंपनी सुजलॉन एनर्जी को सेक्टर ऑफ द वीक के लिए चुनाव है। फर्म ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वित्त वर्ष 2026 में एनटीपीसी से लगभग 1.5 गीगावाट सहित लगभग 4 गीगावाट के अपेक्षित ऑर्डर प्रवाह के साथ सुजलॉन का दृष्टिकोण मजबूत बना हुआ है, जिससे वित्त वर्ष 2026 के अंत तक संभावित ऑर्डर बुक लगभग 6.5 गीगावाट हो जाएगी।

## सड़क बनाने वाली कंपनी का स्टॉक बना रहा करोड़पति, 10 हजार के बनाए 77 लाख

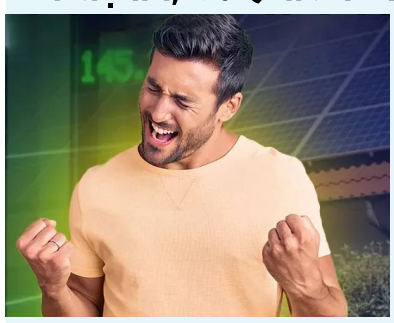

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट की दुनिया में कहा जाता है कि अगर छोटी कंपनियां उड़ान भर लें, तो बड़े-बड़ों को पीछे छोड़ देती हैं। सौभाग्य मर्केंटाइल लिमिटेड इसका जीता-जागता सबूत है।

यह स्मॉलकैप कंपनी भले ही 625 करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ काम कर रही हो, लेकिन रिटर्न के मामले में इसने कई दिग्गज कंपनियों को मात दे दी है।

पांच साल पहले, कंपनी के एक शेयर की कीम महज 96 पैसे थी। आज वही शेयर 743 रुपए के पार पहुंच चुका है। इसका मतलब, अगर आपने उस समय 10 हजार रुपए लगाए होते, तो आज उसकी वैल्यू 77 लाख रुपए से ज्यादा होती।

और अगर एक लाख रुपए निवेश किया होता, तो आज आप 7 करोड़ 74 लाख रुपए के मालिक होते। मल्टीबैगर रिटर्न देने के मामले में इसने अच्छे-अच्छों को पीछे छोड़ दिया है।

कैसी है मल्टीबैगर स्टॉक की परफॉर्मेंस- पिछले एक महीने से इसमें लगातार अपर सर्किट लग रहा है और यह हर दिन नया ऑल टाइम हाई बना रहा है। शुक्रवार को भी क्स्थ्र पर यह 743.80 रुपए पर खुला और बाजार खुलते ही 5त्न उछाल के साथ अपर सर्किट में चला गया। रिटर्न देने के मामले में यह असली मल्टीबैगर साबित हुआ है।

## खाते में नहीं है 50 हजार रुपये तो देना होगा जुर्माना, इस बैंक ने जारी किया नया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दूसरे सबसे बड़े ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त से सभी ग्राहक वर्गों के लिए मासिक न्यूनतम औसत शेष राशि की आवश्यकता बढ़ा दी है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, 1 अगस्त या उसके बाद बचत खाते खोलने वाले महानगरों और शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को जुर्माने से बचने के लिए न्यूनतम 50,000 रुपये रखना होगा। अगर आपने मिनिमम बैलेंस नहीं रखा तो आपको जुर्माना देना होगा।

अगर आपने अपने खाते में मासिक न्यूनतम औसत शेष राशि नहीं मेंटेन रखी तो ICICI Bank आपसे जुर्माना वसूलेगा। यह जुर्माना मासिक न्यूनतम औसत शेष राशि का 6% या 500 रुपये, जो भी कम हो उतना होगा।

उदाहरण के लिए, किसी महानगरीय शाखा में 10,000 रुपये की कमी पर आमतौर पर 600 रुपये का जुर्माना लगता है, लेकिन नए नियमों के तहत, यह शुल्क 500 रुपये तक सीमित है।

किसे कितना रखना होगा मिनिमम बैलेंस- पुराने ग्राहकों के लिए न्यूनतम औसत शेष राशि 10,000 रुपये ही रहेगी। अर्ध-शहरी क्षेत्रों में नए ग्राहकों को न्यूनतम औसत शेष राशि 25,000 रुपये और ग्रामीण ग्राहकों को 10,000 रुपये रखनी होगी। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पुराने ग्राहकों के लिए न्यूनतम औसत शेष राशि 5,000 रुपये प्रति माह रहेगी।

3 बार ही फ्री में कर सकते हैं लेन-देन

बैंक ने अपने नकद लेनदेन नियमों में भी संशोधन किया है। ग्राहकों को प्रति माह तीन निःशुल्क नकद जमा लेनदेन मिलेंगे, जिनका कुल मूल्य 1 लाख रुपये तक होगा। इसके बाद, प्रति लेनदेन 150 रुपये या प्रति 1,000 रुपये जमा पर 3.50 रुपये (जो भी अधिक हो) का शुल्क लगेगा।

यदि लेनदेन की संख्या और मूल्य सीमा, दोनों का एक साथ उल्लंघन किया जाता है, तो जुर्माना लगाया जाएगा। आपको प्रति लेनदेन 150 रुपये का भुगतान करना होगा। सभी बचत खातों के लिए प्रति लेनदेन 25,000 रुपये की तृतीय-पक्ष नकद जमा सुविधा लागू है।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने 2020 में न्यूनतम शेष राशि के नियम को समाप्त कर दिया था। अधिकांश अन्य बैंक काफी कम सीमा रखते हैं, आमतौर पर 2,000 रुपये से 10,000 रुपये के बीच। लेकिन प्राइवेट बैंक इसमें अपनी मनमानी कर रहे हैं।

## पायलटों को लेकर एअर इंडिया का बड़ा फैसला, जानें क्या उठाया कदम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने पायलटों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने का निर्णय लिया है। गैर-उड़ान कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र भी बढ़ाकर 60 वर्ष करने का फैसला किया गया है। इस समय एअर इंडिया में पायलटों और गैर-उड़ान कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 58 वर्ष है।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की घोषणा एयरलाइन के टाउनहाल में की गई, हालांकि एअर इंडिया की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। एअर इंडिया ने यह फैसला तब लिया है, जब वह अहमदाबाद प्लेन क्रैश जैसे बड़े हादसे से उबर रहा है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया में लगभग 24,000 कर्मचारी हैं, जिनमें लगभग 3,600 पायलट और लगभग 9,500 केबिन क्रू सदस्य शामिल हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि क्या एअर इंडिया में केबिन क्रू के लिए सेवानिवृत्ति की आयु, जो वर्तमान में 58 वर्ष है, बढ़ाई गई है या नहीं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# ग्वालियर में पुलिसकर्मी की बेकाबू कार का तांडव, नशे में आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को कुचला



ग्वालियर। एसपी ऑफिस के पास गुरुवार को नशे में बेकाबू होकर गाड़ी दौड़ाने वाले एएसआई परमाल सिंह के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। यह मामला उस ई-रिक्शा चालक राजेश झा की शिकायत पर दर्ज हुआ है जिसको आरोपी ने टक्कर मार दी थी।

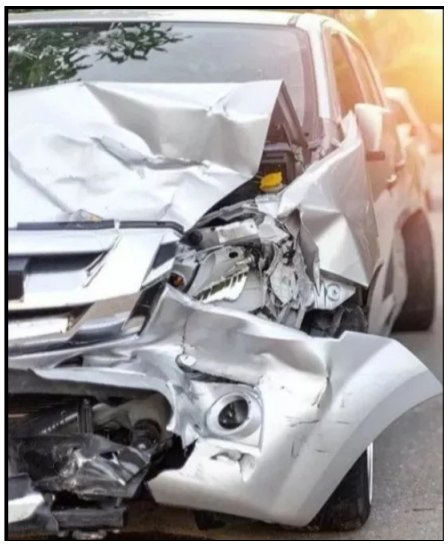

पुलिस ने फिलहाल बीएनएस की धारा 281 और 125 ए के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि आरोपित की मेडिकल रिपोर्ट और गंभीर रूप से घायल पत्रकार अमित मिश्रा के बयान दर्ज होने के बाद एफआईआर में धाराएं बढ़ाई जाएंगी।अधिकारियों की कर दी

**एएसआई की कार ने कई वाहनों को मारी टक्कर**-दरअसल, गुरुवार की रात लगभग साढ़े नौ बजे तेज रफ्तार कार का कहर तब देखने को मिला था, जब एसपी ऑफिस के सामने वाली सड़क पर बेकाबू कार ने लगातार कई वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में नईदुनिया के पत्रकार अमित मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि लगभग छह अन्य लोग भी चोटिल हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कार चला रहा व्यक्ति एक एएसआई परमाल सिंह थे, जिसके खिलाफ पुलिस ने अब एफआईआर दर्ज कर ली है।

**ई-रिक्शा सहित पत्रकार को भी मारी थी टक्कर**-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 9-30 बजे तेज रफ्तार कार एयरटेल ऑफिस के पास से ही वाहनों को टक्कर मारती हुई आ रही थी। उसने पहले एक ई-रिक्शा से टकराई, फिर पास में चल रहे पत्रकार अमित मिश्रा की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा पलट गया और अमित मिश्रा बाइक सहित घसिटते हुए दूर जा गिरे।शराब के नशे में था चालक एएसआई

उनकी बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें भी गंभीर चोटें आईं। टक्कर के बाद कार बेकाबू होकर वहीं एक निजी होटल के सामने डिवाइडर पर चढ़ गई। मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक शराब के नशे में था।

## सागर में आदिवासी के सुसाइड मामले में हाईकोर्ट सख्त, सरकार से पूछा- शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई?

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने राज्य शासन से पूछा है कि पूर्व मंत्री के दबाव में सागर के आदिवासी द्वारा की गई आत्महत्या से जुड़े मामले में शिकायत पर क्या कार्रवाई की गई है। हाई कोर्ट ने शासकीय अधिवक्ता को जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

सागर निवासी रेवा आदिवासी ने याचिका दायर कर बताया कि वह स्व नीलेश उर्फ नत्थू आदिवासी की विधवा है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के वर्तमान विधायक व पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के दबाव में नीलेश ने 25 जुलाई को आत्महत्या की थी।क्या था पूरा मामला?

आरोप लगाया गया कि जुलाई 2025 की शुरुआत में, मृतक नीलेश को विधायक भूपेंद्र सिंह के कार्यकर्ताओं ने धोखे से विधायक के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध एससीएसटी एक्ट के तहत झूठी व मनगढ़ंत एफआईआर दर्ज कराने के लिए मजबूर किया। दुरुपयोग का एहसास होने पर मृतक नीलेश ने शिकायत और शपथ पत्र प्रस्तुत बयान दर्ज कराए। इतना ही नहीं साजिश का पर्दाफाश करने के लिए एक सार्वजनिक वीडियो भी पोस्ट किया।

इससे नाराज होकर विधायक के कार्यकर्ताओं ने उनका अपहरण किया और मारपीट की।

# राखी पर नहीं मिला बोनस, तो छलका मजदूरों का दर्द, कहा- बहनें पूरा साल करती हैं इस दिन का इंतजार



पाली। जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र मे कार्यरत ओल्ड सीएचपी के लगभग 700 ठेका कर्मचारी राखी जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार के दिन हड़ताल पर चले गये हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले 11 महीनों से उन्हें एरियर्स और बोनस का भुगतान नहीं किया गया है, साथ ही वेतन भी समय पर नहीं मिल रहा। कर्मचारियों ने बताया कि बार-बार प्रबंधन से गुहार लगाने के बावजूद आश्वासन तो मिलता है लेकिन भुगतान का कहीं अता-पता नहीं है। कर्मचारियों ने आक्रोश जताते हुए कहा, आज राखी है, हमारी बहनें पूरा साल इस दिन का इंतजार करती हैं, लेकिन हमारे पास उन्हें देने के लिए कुछ नहीं है। त्योहार के दिन खाली जेब होने से बड़ी बेइज्जती क्या होगी?

**नहीं उठा सकते आवाज**-ठेका कर्मचारियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आका लॉजिस्टिक कंपनी और प्लांट प्रबंधन द्वारा उनका न केवल आर्थिक शोषण किया जा रहा है, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जाता है। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। जो मजदूर रोजाना मेहनत करके प्लांट की उत्पादन प्रक्रिया को सुचारू रखते हैं, उनके सांथ हो रहे सलूक पर प्रबंधन भी मौन ही रहता है।जवाब देने से बच रहे आका लॉजिस्टिक कंपनी के मैनेजर किशानू चटर्जी से भी इस मुद्दे पर बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने भी फोन रिसीव नहीं किया।

कर्मचारियों का कहना है कि जब भी वेतन या बोनस की मांग होती है, कंपनी के जिम्मेदार या तो फोन नहीं उठाते या फिर टालमटोल करते हैं।त्योहार के दिन मजदूरों के घरों में मायूसी का माहौल है। कई कर्मचारियों ने बताया कि वे बच्चों और बहनों के लिए नए कपड़े और उपहार लाने की योजना बना रहे थे, लेकिन पैसे न मिलने से सब धरा का धरा रह गया। कर्मचारीयों ने भावुक होकर कहा, हम पूरे साल दिन-रात मेहनत करते हैं, पर हमें हमारे हक का पैसा नहीं मिलता। त्योहार का दिन भी हमारे लिए दुख का दिन बन गया।

**अब हस्ताक्षेप है जरूरी**-मजदूरों ने राज्य सरकार और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र में ठेका कर्मचारियों के वेतन, एरियर्स और बोनस भुगतान की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। साथ ही, ठेका कंपनी के खिलाफ लापरवाही और शोषण के मामलों में जांच की जाए। संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र जैसे बड़े उद्योग में अगर 700 ठेका कर्मचारी एक साथ हड़ताल पर उतरते हैं, तो यह केवल श्रमिकों की समस्या नहीं बल्कि प्रबंधन की नाकामी का भी सबूत है। मुख्य अभियंता और ठेका कंपनी की चुप्पी मजदूरों के आक्रोश को और भड़का रही है। जब तक जिम्मेदार अधिकारी अपनी भूमिका निभाकर मजदूरों को उनका हक नहीं दिलाते, तब तक इस तरह की हड़तालें और विरोध प्रदर्शन जारी रहेंगे।

## इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाइवे पर अवैध नशे का कारोबार... महाराष्ट्र बॉर्डर के ढाबे से डोडा-चूरा-शराब की बड़ी खेप बरामद



बुरहानपुर। महाराष्ट्र बॉर्डर पर स्थित एक ढाबा नशे का अड्डा बना हुआ था, जहां ट्रक चालकों और स्थानीय लोगों को डोडा चूरा और शराब बेची जा रही थी। शाहपुर पुलिस ने छापा मारकर 34 किलो से ज्यादा डोडा चूरा और 64 लीटर शराब बरामद की। यह बरामदगी जिले में अब तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है।

**क्या थी पूरी घटना?** - इंदौर-एदलाबाद नेशनल हाइवे पर महाराष्ट्र बॉर्डर के पास बने देवा ढाबे में लंबे समय से अवैध नशे का कारोबार चल रहा था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ढाबा संचालक ट्रक चालकों को अफीम से बने डोडा चूरा के साथ शराब भी बेच रहा है।शुक्रवार शाम शाहपुर थाना पुलिस ने ढाबे में दबिश देकर 34 किलो 430 ग्राम डोडा चूरा और विभिन्न ब्रांडों की 64 लीटर शराब बरामद की। ढाबा संचालक शुभम तोमर को गिरफ्तार कर हृछक्क्ष्ह्ल और आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

**ढाबे में लगी थी डोडा चूरा पीसने की चक्की**-पुलिस जांच में पता चला कि शुभम ने ढाबे में ही डोडा चूरा पीसने के लिए चक्की लगा रखी थी। बॉर्डर क्षेत्र में निगरानी कम होने का फायदा उठाकर वह इस अवैध कारोबार को चला रहा था। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के अनुसार, आरोपी से सप्लायर के बारे में पूछताछ की जा रही है, और इस नेटवर्क के तार मंदसौर व नीमच से जुड़े होने की संभावना है।

**जागरूकता अभियान के बाद बड़ी कार्रवाई**-थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि हाल ही में पुलिस ने प्रदेशव्यापी नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया था। इसी के बाद कार्रवाई तेज की गई। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में डोडा चूरा मिलने से पुलिस भी हैरान रह गई।

मिश्रा ने बताया कि अफीम और डोडा चूरा के नशे के आदी ट्रक चालक अक्सर सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जिससे निर्दोष लोगों की जान जाती है।

**पहले भी पकड़ी जा चुकी है गांजे की खेती**-इससे पहले शाहपुर पुलिस ने जम्बूपानी और अन्य जगहों पर अवैध गांजे की खेती का भंडाफोड़ किया था, जिसमें लाखों रुपए कीमत के पौधे बरामद हुए थे। किसान मक्के और केले के खेतों में चोरी-छिपे इसकी खेती कर रहे थे।

डोडा चूरा की इस बड़ी खेप को पकड़ने में आरक्षक रविंद्र राय, उप निरीक्षक अजय सिंह चौहान, सोहन सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक मुकेश मोरे, कुन्दन सिंह पवार, आरक्षक अक्षय दुबे और सुनील खोड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## राखी लेकर मामा के घर जा रहे भाई-बहन हादसे में घायल

उमरिया। राखी के त्योहार पर मम्मी की राखी लेकर मामा के घर जा रहे भाई-बहन हाइवे पर दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए। भरौला बस स्टैंड के आगे मिर्च-मसाला ढाबे के पास अचानक सड़क पर मवेशी आ जाने से उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में भाई संजय चौधरी 24 साल का बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि बहन साधना चौधरी के शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई है। घायलों की हालत खतरे से बाहर है लेकिन पर्व के दिए हुए हादसे ने खुशी को कम कर दिया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, नौरोज़ाबाद निवासी संजय पिता रग्घू चौधरी अपनी बहन साधना को लेकर विलायत कला के समीप परसेल गांव जा रहे थे। इसी दौरान भरौला हाइवे पर यह हादसा हो गया। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व के दिन हादसे में भाई और बहन के एक साथ घायल होने की घटना से घटना स्थल पर मौजूद लोगों को भी बहुत खराब लगा। फिलहाल दोनों का अस्पताल में इलाज जारी है और परिजन उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

# राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति अलख जगाने के कार्य की अनूठी मिसाल बने हैं- डॉ. रवि अतरोलिया

इंदौर। देश की आन, बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के प्रति देशप्रेम जगाने और जागरूकता फैलाने के लिए तिरंगा अभियान प्रमुख और रिटायर्ड डीएसपी डॉ. रवि अतरोलिया विगत 27 वर्षों से निरन्तर जन-जागरण के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इंदौर निवासी डॉ. अतरोलिया विभिन्न शिक्षा संस्थानों सहित आरएपीटीसी, पीटीएस, सीआरपीएफ, नगर सुरक्षा समिति, जिला जेल, केन्द्रीय जेल, बीएसएफ, एनसीसी, एनएसएस सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों एवं आमजनों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के इतिहास से और ध्वजारोहण के सही तरीके से परिचित करा रहे हैं। वे विशेषकर स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की कहानी के माध्यम से सामान्य शब्दों में अपनी बात कहते हैं। इस दौरान डॉ. अतरोलिया बताते है कि एक मानक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा क्या होता है। तिरंगे को फहराने के सही तरीके क्या है और भारतीय संस्कृति में तिरंगे का कितना महत्व है। डॉ. अतरोलिया अभी तक मध्यप्रदेश सहित महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, तमिलनाडु, झारखंड आदि राज्यों में करीब 435 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर लाखों विद्यार्थियों और आमजनों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के इतिहास और महत्व के साथ-साथ विभिन्न देशों के राष्ट्रीय ध्वजों के बारे में जानकारी दे चुके हैं।

तिरंगा अभियान के प्रमुख डॉ. अतरोलिया ने बताया कि राष्ट्रीय पर्वों विशेषकर 15 अगस्त, 26 जनवरी आदि पर सार्वजनिक स्थानों एवं शासकीय इमारतों पर आयोजित किये जाने वाले ध्वजारोहण पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा मानक स्तर (आईएसआई मार्क) का ही होना चाहिए। मानक स्तर के मुताबिक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा आयताकार होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की लंबाई और चौड़ाई 2ः3 होती है। मानक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में तीन समानान्तर पट्टियां होना जरूरी है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा में सबसे ऊपर केसरिया रंग होता है। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के मध्य में श्वेत रंग और सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी होना चाहिए। सफेद रंग की पट्टी पर मध्य में सारनाथ स्थित अशोक स्तम्भ का 24 शलाकाओं (तिलियां) वाला नीला चक्र होना चाहिए। नीले चक्र का व्यास सफेद रंग की पट्टी की चौड़ाई के बराबर हो तथा वह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के दोनों ओर अंकित होना चाहिए। 24 शलाकाओं वाला नीला चक्र इस बात का संदेश देता है कि देश में 24 घंटे सतत प्रगति हो और यह प्रगति भी अंतहीन हो। जिस प्रकार नीला आकाश और नीला सागर अनन्त और अथाह होता है। उसी प्रकार हमारे देश की प्रगति भी आकाश और सागर की तरह सतत होती रहे। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में केसरिया रंग जहां त्याग और बलिदान का प्रतीक है, वहीं सफेद रंग सत्य और शांति का तथा हरा रंग श्रृद्धा और शौर्य का प्रतीक है।

डॉ. अतरोलिया ने बताया कि ध्वजारोहण करने का सही तरीका यह है कि ध्वज फहराने वाला व्यक्ति हमेशा बायीं ओर ही रहना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के दायी ओर कोई भी उपस्थित नहीं हो। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को प्रतिदिन सूर्योदय के समय ससम्मान फहराया जा सकता है और सूर्यास्त के समय उसे उतार लिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय पर्वों के दौरान आयोजित ध्वजारोहण समारोह में रेशमी खादी, सिल्क खादी, ऊन, पोलिस्टर कपड़ें और कागज से निर्मित राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को ही फहराया जाना चाहिए।

## इंदौर की वकील लापता, ट्रेन में लावारिस मिला बैग, आखिरी लोकेशन भोपाल में मिली

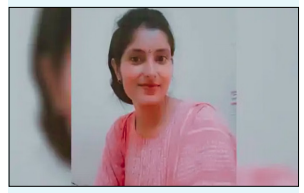

इंदौर। कटनी जाने के लिए इंदौर से निकली एक 29 वर्षीय युवती अर्चना तिवारी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई है। अर्चना 7 अगस्त की सुबह ट्रेन नंबर 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच की सीट नंबर 3 पर सवार होकर निकली थीं। आखिरी बार उन्हें भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन तक ट्रेन में देखा गया, लेकिन इसके बाद से वह लापता हैं। युवती का बैग उमरिया स्टेशन पर बरामद किया गया है, लेकिन वह खुद कहां गई, इसका अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों के अनुसार अर्चना मूल रूप से कटनी जिले के मंगल नगर की निवासी हैं और वर्तमान में इंदौर में रहकर सिविल जज की परीक्षा की तैयारी के साथ वकालत भी कर रही थीं। परिजनों ने बताया कि ट्रेन में सफर के दौरान सुबह 10ः15 बजे उनकी आखिरी बार अर्चना से बातचीत हुई थी, जब ट्रेन भोपाल के आसपास थी। इसके बाद से उनका मोबाइल बंद हो गया। अर्चना के कटनी स्टेशन न पहुंचने पर परिजनों ने तत्काल तलाश शुरू की। उमरिया स्टेशन पर रिश्तेदारों को सूचना दी गई, जहां पर ट्रेन का इंतजार करते हुए अर्चना का बैग तो मिला, लेकिन खुद अर्चना नहीं मिली। ट्रेन के अन्य यात्रियों ने भी पुष्टि की है कि अर्चना भोपाल तक ट्रेन में मौजूद थीं, लेकिन इसके बाद नजर नहीं आईं। जीआरपी कटनी के सब इंस्पेक्टर अनिल मरावी ने बताया कि युवती के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

## मैथिल समाज में रक्षाबंधनः रक्षा सूत्र से बंधा धर्म, परंपरा और सामाजिक सरोकार

इंदौर। येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वामनुबध्नामि रक्षेयं चलमाचल। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है या ब्राह्मण अपने यजमान को रक्षा सूत्र बांधते हैं, तो वे प्रायः यह मंत्र उच्चारित करते हैं। मैथिल समाज में इस मंत्र का विशेष महत्व है। इसका शाब्दिक अर्थ है– जिस रक्षासूत्र से महाबली दानव राजा बलि को बांधा गया था, उसी रक्षासूत्र से मैं तुम्हें बांधता हूं। हे रक्षा! तुम अचल रहो, स्थिर रहो।

इस संदर्भ में शहर के वरिष्ठ समाजसेवी के. के. झा ने बताया कि मैथिल परंपरा में रक्षा सूत्र केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक धर्मनिष्ठ संकल्प का प्रतीक होता है। ब्राह्मण अपने यजमानों को यह सूत्र बांधते हुए उन्हें धर्म, कर्तव्य और सत्य के पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देते हैं।

मैथिल समाज में रक्षाबंधन का उत्सव केवल भाई-बहन तक सीमित नहीं है। गुरु-शिष्य संबंधों में भी यह पर्व विशेष महत्व रखता है। इस दिन गुरु अपने शिष्यों को रक्षा सूत्र बांधते हैं, जो आशीर्वाद, संरक्षण और स्नेह का प्रतीक है। यह परंपरा प्राचीन भारतीय गुरुकुल परंपरा से जुड़ी हुई है, जहाँ गुरु न केवल ज्ञान प्रदान करते थे, बल्कि अपने शिष्यों की रक्षा और उत्थान का दायित्व भी निभाते थे।

## संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में आईडीए बोर्ड की बैठक

### 1.613 हेक्टर पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत आवास बनेंगे

इंदौर। संभागायुक्त एवं इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के अध्यक्ष श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर विकास विकास प्राधिकरण के संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, इंदौर विकास प्राधिकरण सीईओ श्री आर.पी. अहिरवार, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभय राजनगावकर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री सुनील कुमार उदिया, लोक निर्माण विभाग इंदौर के मुख्य अभियंता श्री सी.एस. खरत, प्रध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री श्री बी.डी. फॅकलीन (प्रतिनिधि), नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के श्री सारंग गुप्ता, वन विभाग के प्रतिनिधि श्री अंकित सोलंकी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने इन्दौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल द्वारा किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा कर उसकी समीक्षा की।

बैठक में लिये विभिन्न निर्णय- संचालक मण्डल द्वारा प्राधिकारी की नगर विकास योजना टीपीएस-08 पर स्थित भूखंड क्रमांक स्कीम-422 क्षेत्रफल 1.613 हेक्टर पर प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत आवासगृह का निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त आवास बनाने से एम. आर.-10 निर्माण का रास्ता साफ हो सकेगा।

## श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट एवं सुभाष मंच के तत्वावधान में क्रांति दिवस मनाया गया

इंदौर। सैनानियों की कुर्बायिनों को हम भुला नहीं सकते। देश की आजादी के बाद भी हमें आजादी नहीं मिली है। पिछले 25 वर्षों से प्रतिवर्ष 9 अगस्त क्रांति दिवस पर क्रांतिकारियों की कुर्बानी को हम याद करते हैं। और अब बचे हुए स्वतंत्रता सैनानी जो ऊंगलियो पर गिनने लायक है अब उनके उत्तराधिकारियों को सम्मानित कर गौरान्वित हैं। उक्त उद्बोधन अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने क्रांति दिव पर आयोजित सम्मान समारोह में व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रोफेसर प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा कि अब हमें आजादी की फिर से लड़ाई लडना होगी, जो कि आज दूसरे देशों के द्वारा हमें टैरीफ तले दबा दिया जा रहा है जिससे आगे प्रतित होता है कि एक बार फिर भारत गुलाम बनेगा। इसी गुलामी की जंजीरों को तोडने के लिए हमें एक साथ संगठित होकर देश हित में कार्य करना होगा और मेक इन इंडिया पर ज्यादा फोकस करना होगा।

## सावन में बारिश गायब, वायरल फीवर ने मचाया कहर, अस्पतालों में टूट रही मरीजों की भीड़

इंदौर। जिले में बारिश की बेरुखी ने इस बार जुलाई और अगस्त के महीने में मौसम का पूरा मिजाज ही बदलकर रख दिया है। सावन के महीने में जहां आमतौर पर झमाझम बारिश होती है, जिससे वातावरण ठंडा और नमी भरा हो जाता है, वहीं इस बार बारिश का नामोनिशान तक नहीं है। लगातार सूखा मौसम और बढ़ती गर्मी ने लोगों की सेहत पर सीधा असर डाला है। शहर के बड़े अस्पतालों में वायरल बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एमवाय अस्पताल में रोजाना औसतन 3500 से 4000 मरीज पहुंच रहे हैं, जबकि सामान्य दिनों में यह संख्या 2000 से 2500 के बीच होती है। यही हाल शहर के अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों का भी है। एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार अस्पताल आने वाला हर तीसरा मरीज वायरल फीवर से ग्रसित है। मौसम में आए अचानक बदलाव और उमस भरे वातावरण के चलते वायरल तेजी से फैल रहा है। डेंगू, मलेरिया, खांसी-जुकाम, पेट के संक्रमण, स्किन एलर्जी जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा खतरा बच्चों और बुजुर्गों को है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने बताया कि वर्तमान तापमान वायरस के पनपने के लिए आदर्श स्थिति प्रदान कर रहा है। न तो इतनी गर्मी है कि वायरस नष्ट हो जाए और न ही इतनी ठंड कि वायरस निष्क्रिय हो जाए। नतीजतन संक्रमण तेजी से फैल रहा है और इसके कारण तेज बुखार, गले में खराश, बदन दर्द, खांसी और कमजोरी जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं। वर्तमान में दिन का तापमान 32 डिग्री और रात का तापमान 20 से 22 डिग्री के बीच बना हुआ है। यह तापमान वायरस के प्रसार के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है। बारिश नहीं होने से वातावरण में नमी की कमी है, लेकिन धूल और प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है, जिससे सांस की बीमारियां भी उभर रही हैं। सांस फूलना, ब्रोंकाइटिस, जुकाम, और खांसी जैसी समस्याओं के मरीज भी बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। पेट के संक्रमण, डायरिया और फूड पॉइजनिंग जैसे मामले भी तेजी से सामने आ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण जल्दी खराब होने वाला खाना और घटती जल गुणवत्ता है।

## इंदौर से पहली बार नवी मुंबई के लिए शुरू होगी उड़ान,26 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल होगा लागू

इंदौर। एयरपोर्ट पर 26 अक्टूबर से 28 मार्च विंटर शेड्यूल लागू होगा। इस दौरान इंदौर को कुछ नए शहरों की एयर कनेक्टिविटी मिलेगी। इंदौर से मुंबई के लिए कई उड़ानें हैं, लेकिन नई उड़ान नवी मुंबई के लिए शुरू होगी। नवी मुबंई में नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार हो रहा है। जल्दी ही वहां से उड़ानों का संचालन शुरू होगा। इंदौर से नवी मुंबई जाने वाले यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट लेने में इस नए एयरपोर्ट से आसानी होगी। कई अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने नवी मुंबई एयरपोर्ट से संचालित होगी।इंदौर से रीवा के लिए के लिए भी उड़ान सेवा शुरू होगी। रीवा के लिए पहली बार इंदौर से उड़ान शुरू होगी। पहले बंद हो चुकी नासिक, जम्मू, उदयपुर उड़ान भी शुरू हो सकती है।विंटर शेड्यूल के दौरान नई उड़ान शुरू करने के लिए एयरलाइंस डायरेक्टर जनरल आफ सिविल एविएशन के साथ एयरपोर्ट प्रबंधन से भी अनुमति लेता है। नवी मुंबई और रीवा की उड़ान की अनुमति की प्रक्रिया एयरलाइंस कंपनियों ने की थी। दोनो नई उड़ानों के लिए दोनों एयरपोर्ट से अनुमति मिल चुकी है। अब कंपनियां उड़ानों को शेड्यूल कर उसकी जानकारी एयरपोर्ट को देगी।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सपत्निक भगवान श्री महाकाल के दर्शन कर पूजन अर्चन किया और पर्जन्य अनुष्ठान में शामिल हुए

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सपत्नीक शनिवार को सावन पूर्णिमा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तम जल वृष्टि के निमित्त पर्जन्य अनुष्ठान में शामिल होकर पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक भगवान श्री महाकाल के दर्शन कर विधिवत अभिषेक कर पूजन-अर्चन किया। उल्लेखनीय है कि कम वर्षा वाले क्षेत्रों में उत्तम जल वृष्टि की कामना के लिए 66 पंडितों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ महारुद्र अनुष्ठान किया गया। महारुद्र अनुष्ठान पंडित घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ।

कलेक्टर एवं श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रौशन कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को शॉल श्रीफल प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया । इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, श्री संजय अग्रवाल , श्री ओम जैन, आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकाल मंदिर में दर्शन के पूर्व भेरूगढ़ स्थित श्री केशरिया नाथ मणिभद्र तीर्थ धाम पहुंचकर भगवान श्री पार्श्वनाथ, भगवान महावीर स्वामी और भगवान मणिभद्र के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर चातुर्मास कर रहे जैन संत परम पूज्यनीय श्री अशोक सागरसूरीश्वर जी महाराज की चरण वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

# क्रांति दिवस स्वतंत्रता आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय है- अली

## 83वें क्रांति दिवस पुष्प वर्षा कर शहीदों और वीरों का किया स्मरण

उज्जैन। सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 83वें क्रांति दिवस के मौके पर शहीद पार्क स्थित शहीद स्मारक पर देश के स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाली सभी वीरों के चित्र पर पुष्प वर्षा की एवं शहीदों और वीरों का स्मरण किया गया।

संस्था अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद आबिद अली मीर ने बताया कि मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य कमर अली ने अपने उद्बोधन में कहा क्रांति दिवस स्वतंत्रता आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय है। देश कभी भुला नहीं पाएगा। अनगिनत क्रांतिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई। आज के दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अंग्रेजो भारत छोड़ो का नारा दिया। देश के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए तात्या टोपे, नाना साहब देशमुख, रानी लक्ष्मीबाई, सम्राट बहादुर शाह जफर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, अशफ़ाकउल्ला, मंगल पांडे, खुदीराम बोस, सुखदेव राजगुरु आदि लाखों क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ समर्पित किया। उसी का नतीजा है कि हम आज स्वतंत्रता पूर्वक जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। मशहूर शहर के ख्यात नाम गायक डॉ. तेज कुमार मालवीय ने मेरा रंग दे बसंती चोला गीत प्रस्तुत कर क्रांतिकारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने अपने उद्बोधन में कहा दुनिया में अनेक स्वतंत्रता आंदोलन हुए जिसमें प्रमुख रूप से अफ्रीकी स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और फिलीस्तीन स्वतंत्रता आंदोलन प्रमुख हैं।

भारतीय आंदोलन महात्मा गांधी के नेतृत्व में एवं अफ्रीकी स्वतंत्रता आंदोलन डॉ. नेल्सन मंडेला के नेतृत्व में सफल रहा। फिलिस्तीन स्वतंत्रता आंदोलन फिलीस्तीन मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष यासिर अराफ़ात के नेतृत्व में शुरू हुआ जो आज भी अराफात की मृत्यु के बाद भी लड़ा जा रहा है।

# रक्षाबंधन पर्व मनाया

उज्जैन। वनवासी कल्याण परिषद जिला उज्जैन द्वारा आज रक्षाबंधन पर्व सेवा भारती द्वारा संचालित मातृछाया' शिशुगृह में बच्चों के साथ प्रातः 11 बजे मनाया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों द्वारा बच्चों को कुमकुम तिलक, अक्षत के साथ राखी बांधकर उपहार भेंट किए गए, साथ ही सभी सदस्यों ने आपस में राखी बांधकर एक-दूसरे को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर वनवासी कल्याण परिषद के अध्यक्ष ईश्वर पटेल, सचिव संजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विजयेन्द्र सिंह आरोण्या, जितेंद्र जैन, जोगेश गोविंदानी आदि।

# अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम के 1100 से अधिक पारिवारिक सदस्यों ने रक्षाबंधन पर्व मनाया

उज्जैन। अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में रक्षाबंधन पर्व पर उल्लास का वातावरण था, यहां अनजाने रिश्तो को नई पहचान मिली। आश्रम परिवार के सदस्यों ने एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधे, वहीं आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल, श्रीमती कांता भाभी, मोनिका और गोरी दीदी ने सबसे पहले गौ माता-वृक्षों और सदुरू स्वाध्याय मंदिर में रक्षासूत्र बांधकर, बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन उपरांत सदुरू के बताए मार्ग पर चलते हुए मानवता की सेवा के संकल्प के साथ रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत की। इस अवसर पर विशेष भोजन का आयोजन किया गया।

आश्रम में अनेक बहनों-माताओं के आंखों में आंसू थे, वे आज अपने उन भाईयों और परिवार की याद कर रही थी जिनसे वह बिछडकर विषम परिस्थितियों में सेवाधाम आश्रम आई और उन्हें यहां अपनत्व के साथ खून से बड़कर रिश्ते मिले, उम्र से परे हर कोई बहन और माता सुधीर भाई को अपना भाई मानकर उन्हें रक्षासूत्र बांधने को आतूर दिख रही थी, इनमें नन्हीं मुन्हीं बेटियाँ भी शामिल थी। आश्रम में वयोश्रेष्ठ माता ने सर्वप्रथम सुधीर भाई को राखी बांधी।

# अगस्त क्रांति दिवस पर कांग्रेस सेवादल ने निकाली तिरंगा यात्रा

## सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पैदल मार्च निकाला

उज्जैन। आज भारत छोड़ो आंदोलन स्मरण दिवस अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर शहर जिला( ग्रामीण) कांग्रेस सेवा दल उज्जैन के तत्वाधान में महान क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा चरक भवन परिसर आगर रोड से सुबह 10 बजे माल्यार्पण कर पैदल मार्च ( तिरंगा यात्रा) महात्मा गांधी उद्यान क्षीरसागर पर पहुंच कर पूज्य बापू जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर अगस्त, क्रांति दिवस के रूप में मनाया गया एवं इस अवसर पर प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व सांसद सत्यनारायण पंवार के आतिथ्य में एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ। शहर अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि 9 अगस्त 1942 को अगस्त क्रांति का एलान किया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान समर्थन देने के बावजूद जब अंग्रेज़ भारत को स्वतंत्र करने को तैयार नहीं हुए, तो महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन के रूप में आज़ादी की अंतिम जंग का आह्वान किया, जिससे ब्रिटिश शासन में भय व्याप्त हो गया। इसी कारण 9 अगस्त को इतिहास में अगस्त क्रांति दिवस के रूप में याद किया जाता है।

इस अवसर पर नगर निगम में नेता प्रति पक्ष रवि राय, पूर्व पार्षद कैलाश बिसेन,वीरेन्द्र शर्मा, संगठन मंत्री अजय राठौर, पूर्व पार्षद सुनील कच्छवाह, राजेंद्र राठौर, देव व्रत यादव, रेणुका गांधी,चंद्रभानसिंह चंदेल,देवीलाल जाटवा, राजेंद्रचंदेल

,ललितमीणा ,पोपसिंह पंवार, इंदिरा नगर ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष हेमंत कोहली, गोपाल सूर्यवंशी, रफी अहमद, शमशेर खान, अशोक राठौर, रामचंद्र चौहान, डॉ अंतर सिंह चौधरी, मयंक राजपूत, दीपक यादव, महेंद्र सिंह चौधरी, रिज़वान खान, रश्मि त्रिवेदी,शेर खान, योगेश मीणा, अर्पित यादव, चंदू यादव, लक्ष्मीनारायण उपाध्याय, कृष्णा यादवआदि लोग उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन जिला (ग्रामीण) कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉक्टर चैनसिंह चौधरी ने किया तथा आभार शहर जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह जाट माना उपरोक्त जानकारी की हेमंत कोली ने दी।

# 9 अगस्त को उज्जैन में तिरंगा यात्रा और पुष्पांजलि के साथ मनाया जाएगा अगस्त क्रांति दिवस

उज्जैन। भारत छोड़ो आंदोलन स्मरण दिवस अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को शहर जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल उज्जैन के तत्वाधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार सुबह 10 बजे आगर रोड स्थित चरक भवन परिसर में महान क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी।

इसके बाद तिरंगा यात्रा के रूप में पैदल मार्च निकलेगा, जो महात्मा गांधी उद्यान, क्षीरसागर पहुंचेगा। यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवस को यादगार रूप से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल के जिलाध्यक्ष डॉ. चैन सिंह चौधरी और शहर अध्यक्ष कुलदीप सिंह जाट ने सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों, शहर कांग्रेस पदाधिकारियों, महिला कांग्रेस, सेवा दल, एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, पार्षदगण, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक प्रभारी, आईटी सेल, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, ( म.प्र. ) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, ( म.प्र. ) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com